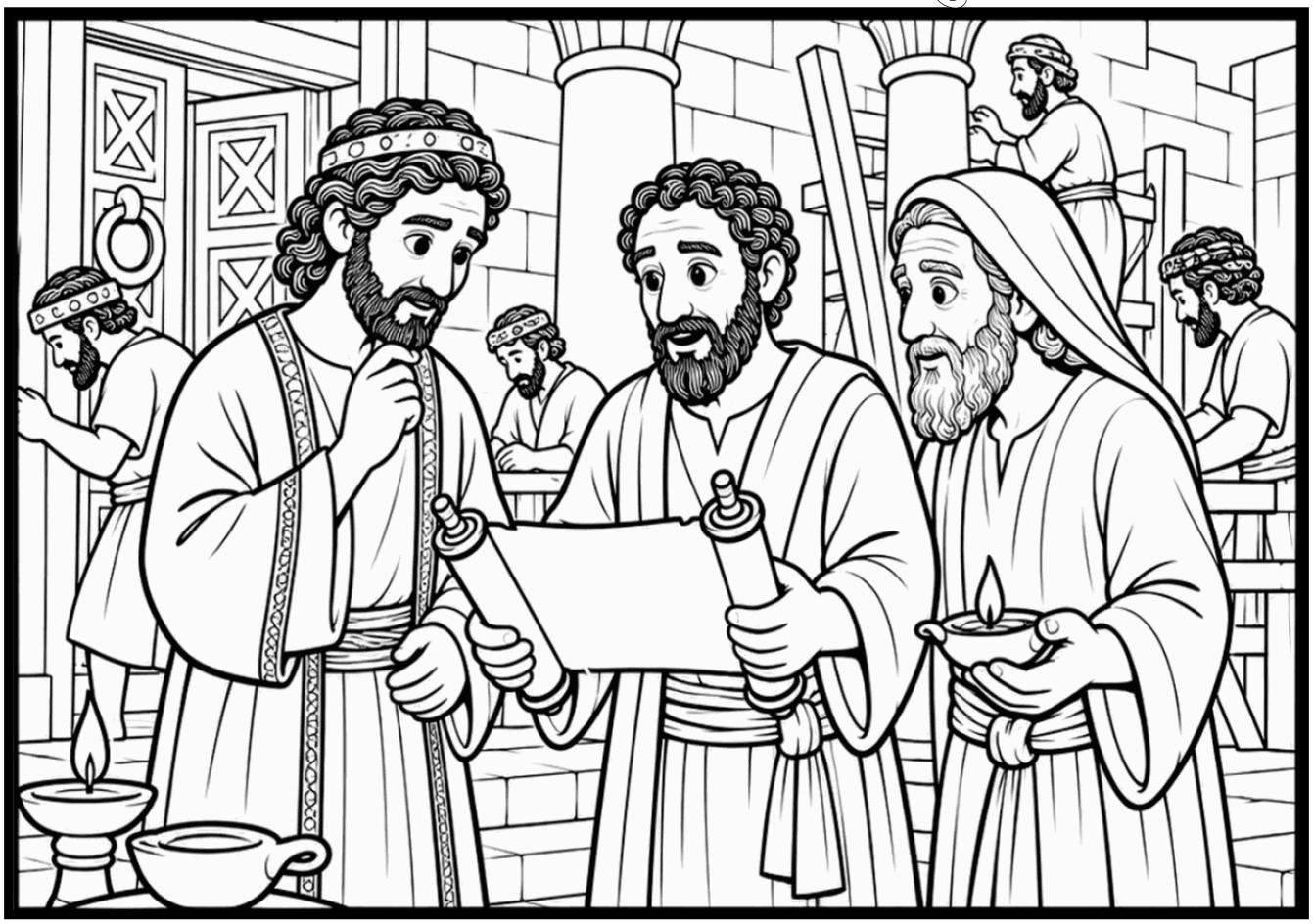
योशिय्याह और व्यवस्था की पुस्तक



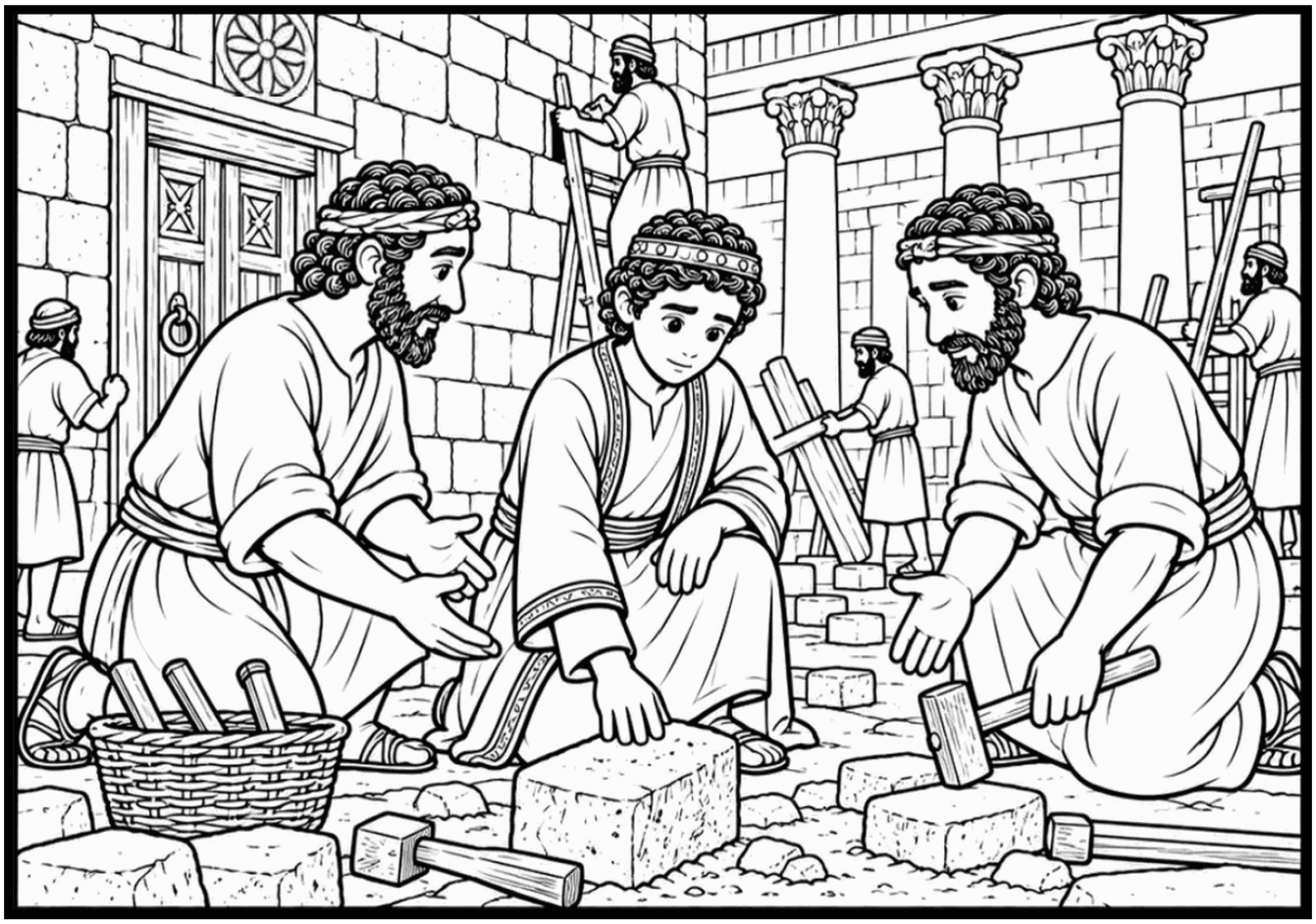
एक युवा राजा



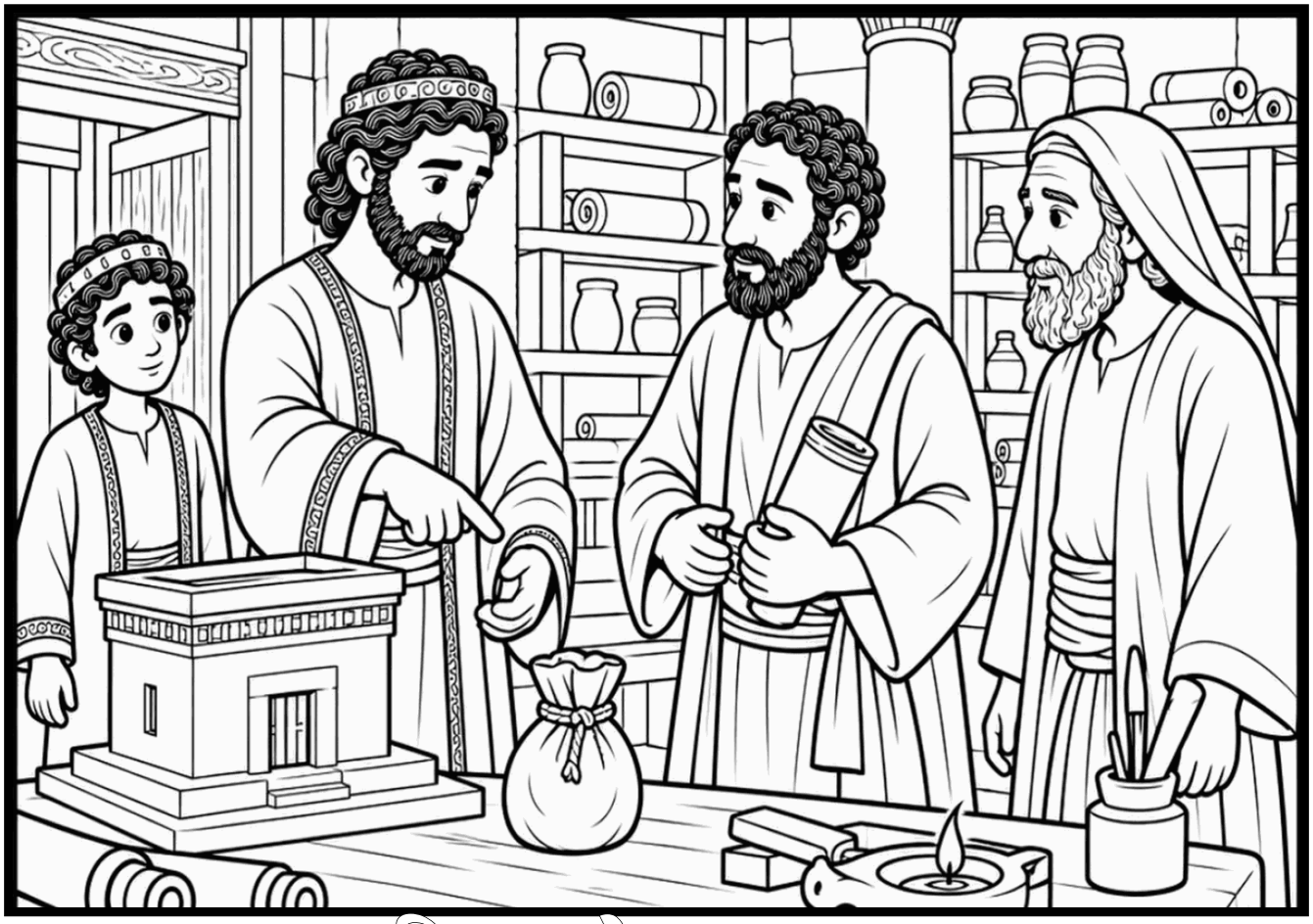
योशिय्याह ने सही बात चुनी



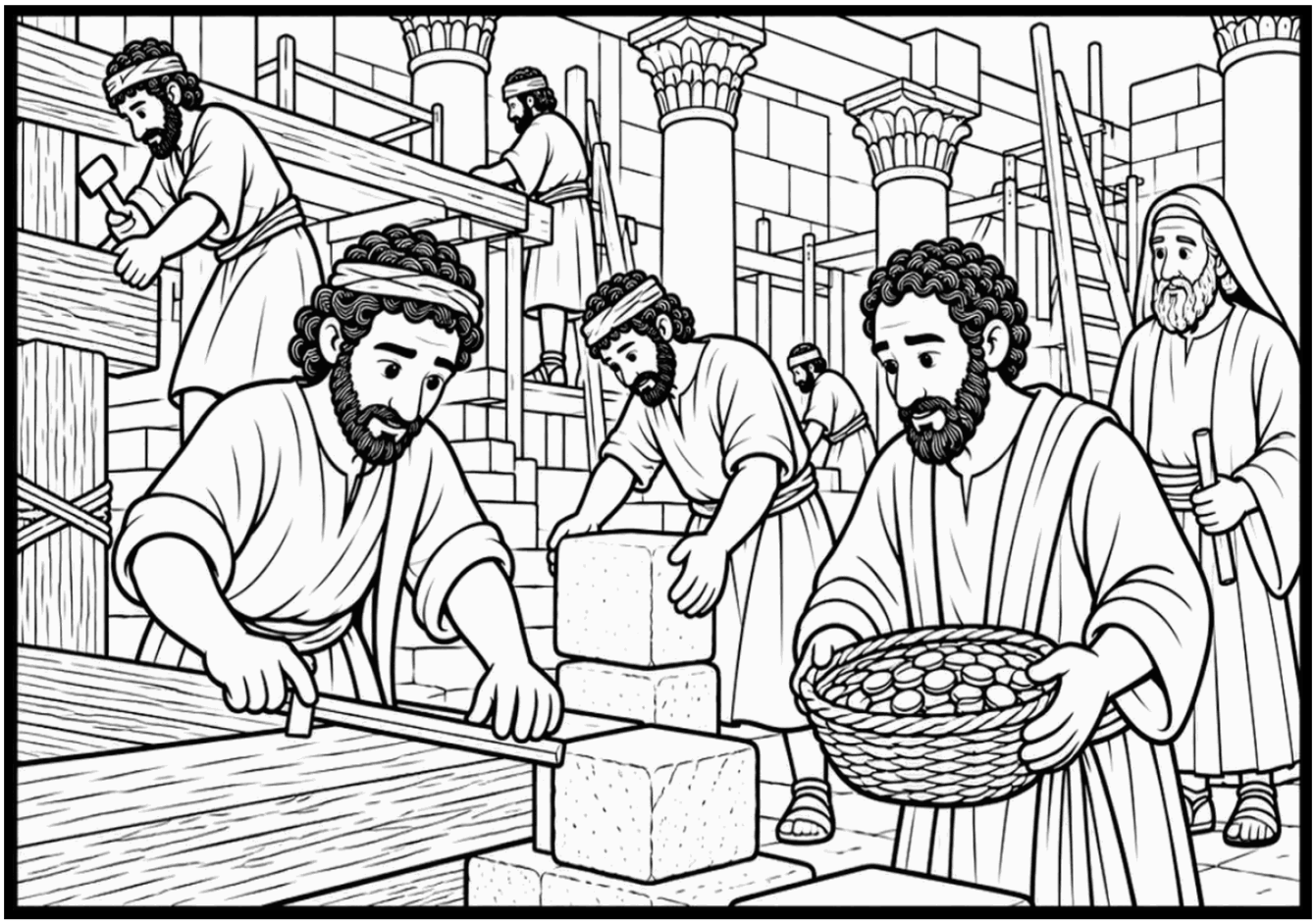
मन्दिर को मरम्मत की जरूरत थी



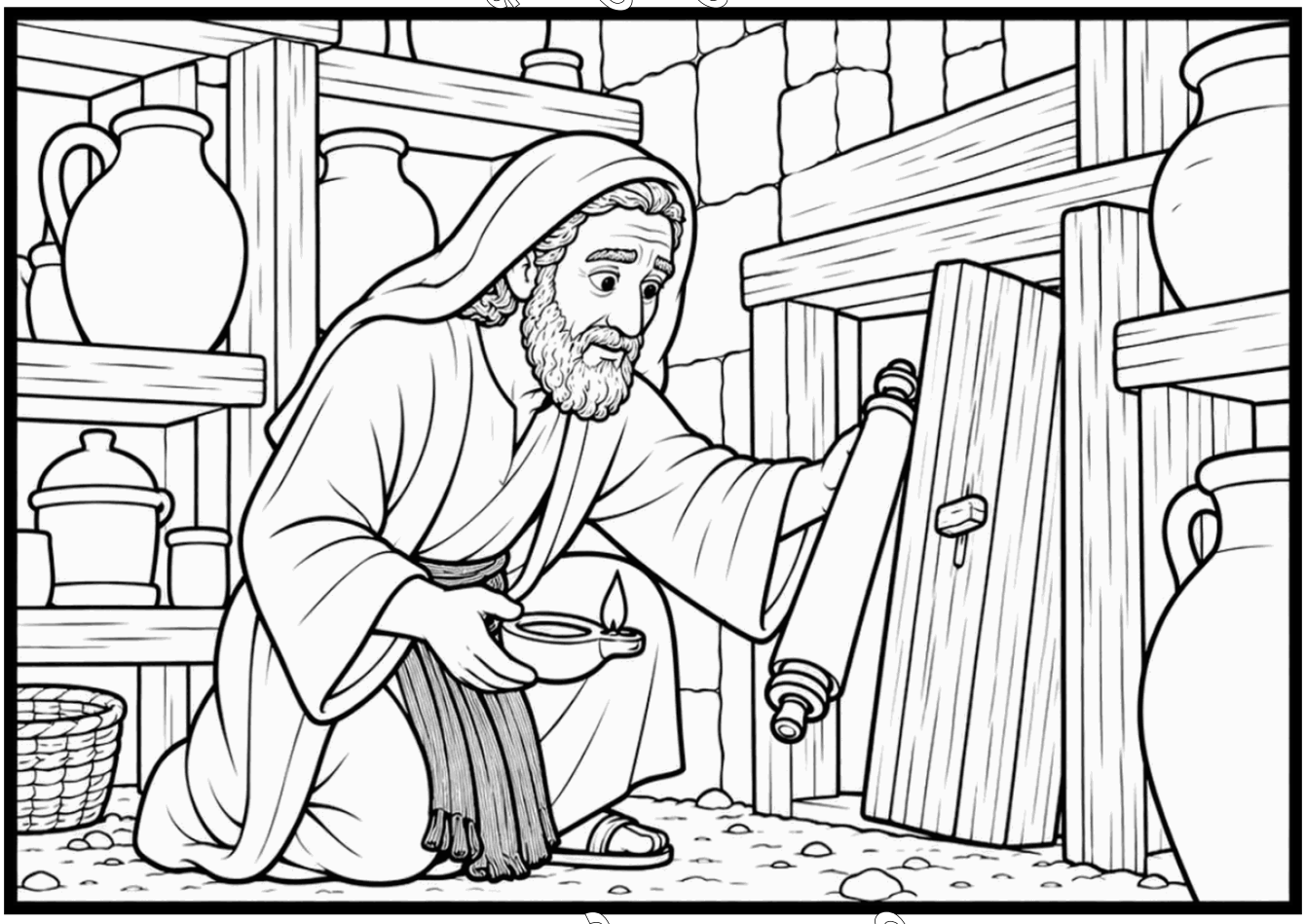
शापान के लिए एक काम



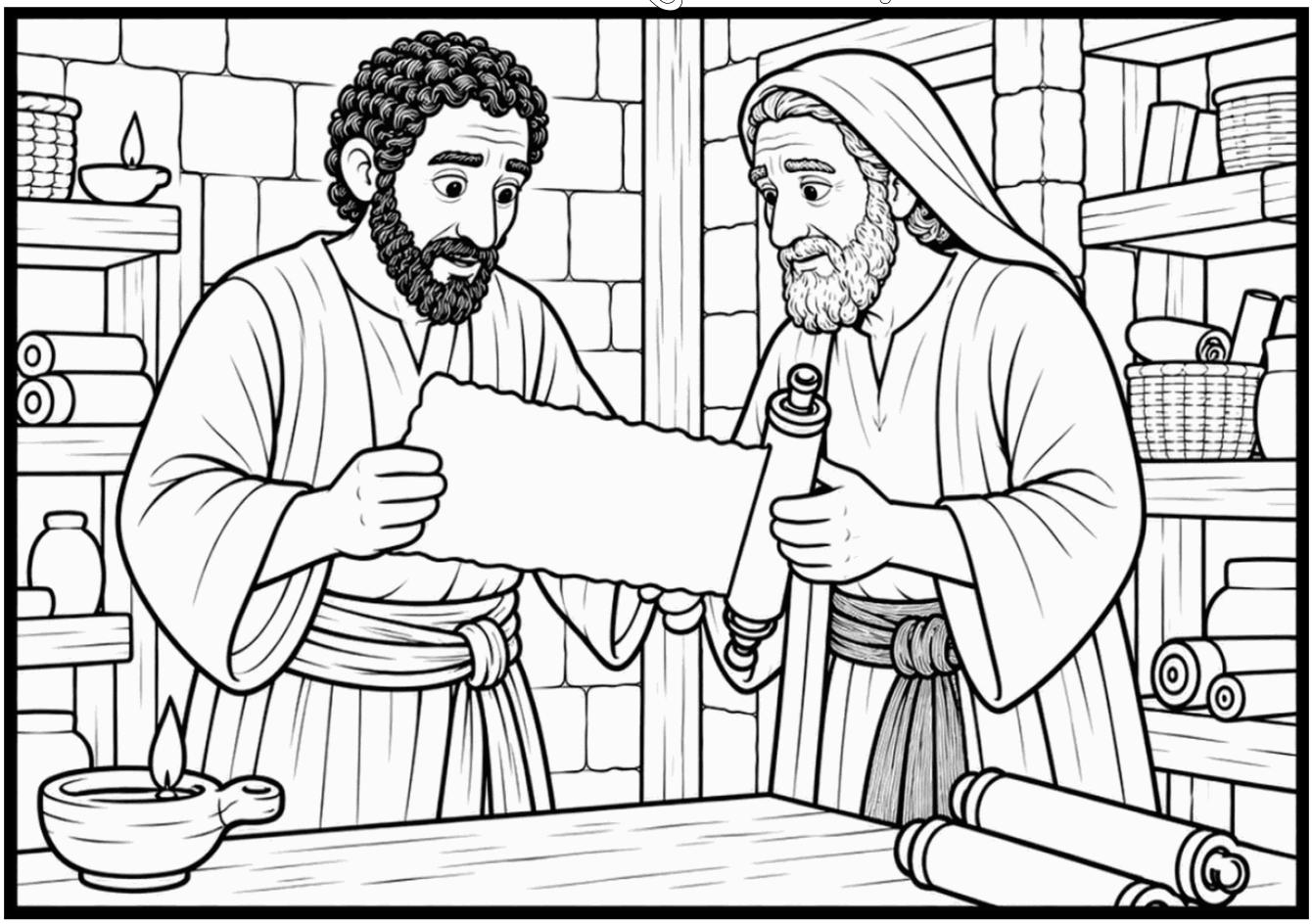
विश्वासयोग्य कामगार



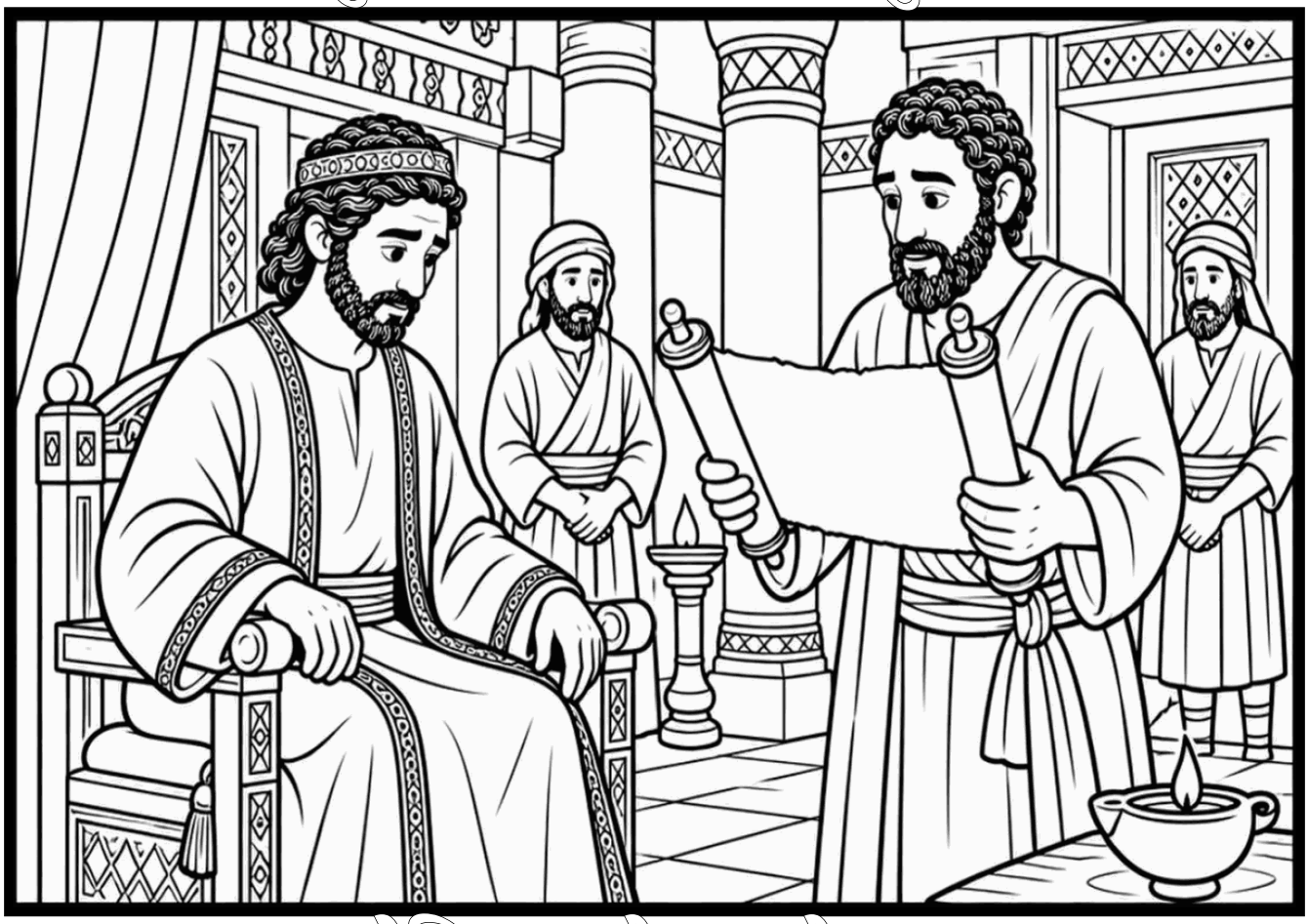
भूली हुई पुस्तक



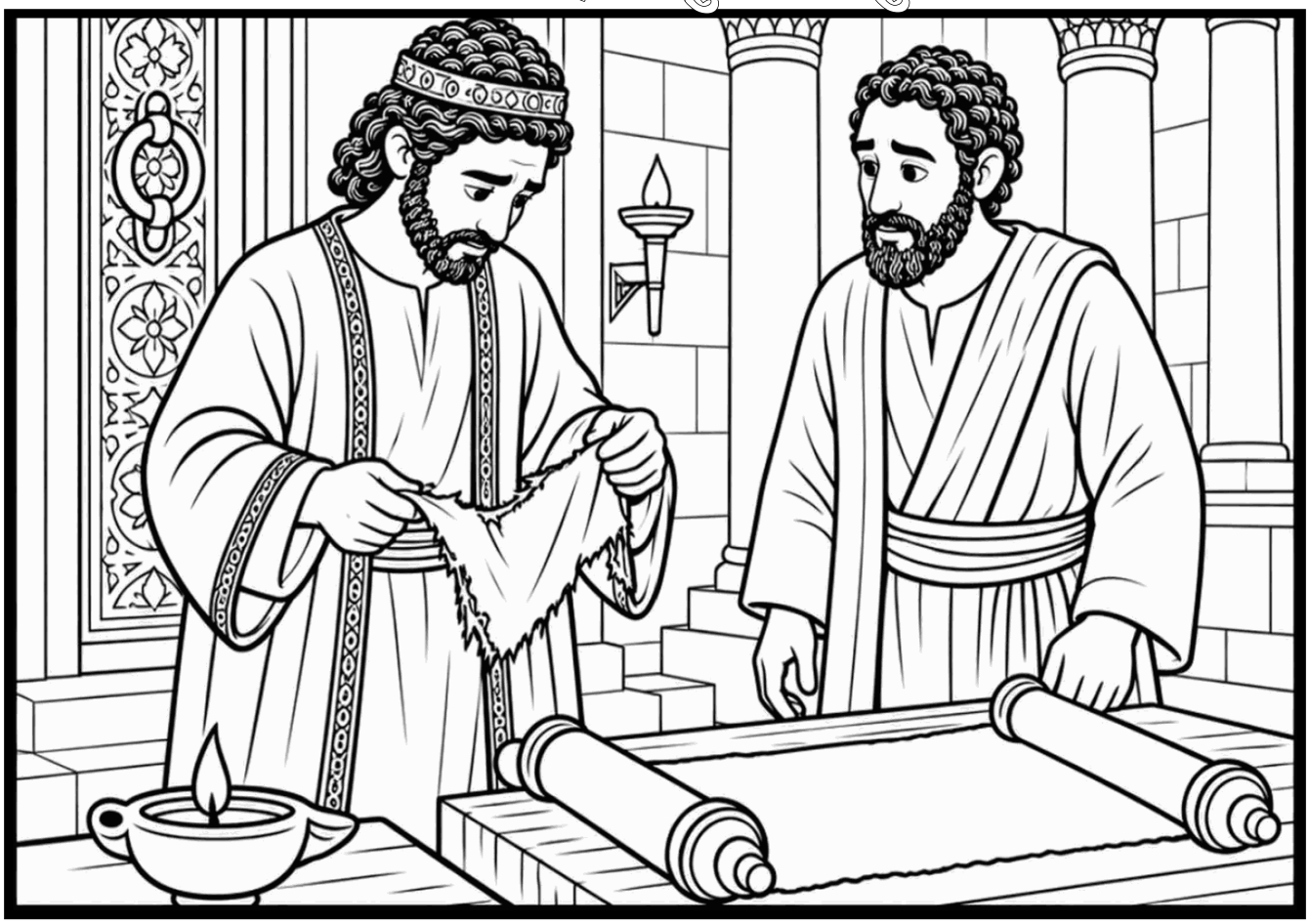
शापान ने पुस्तक पढ़ी



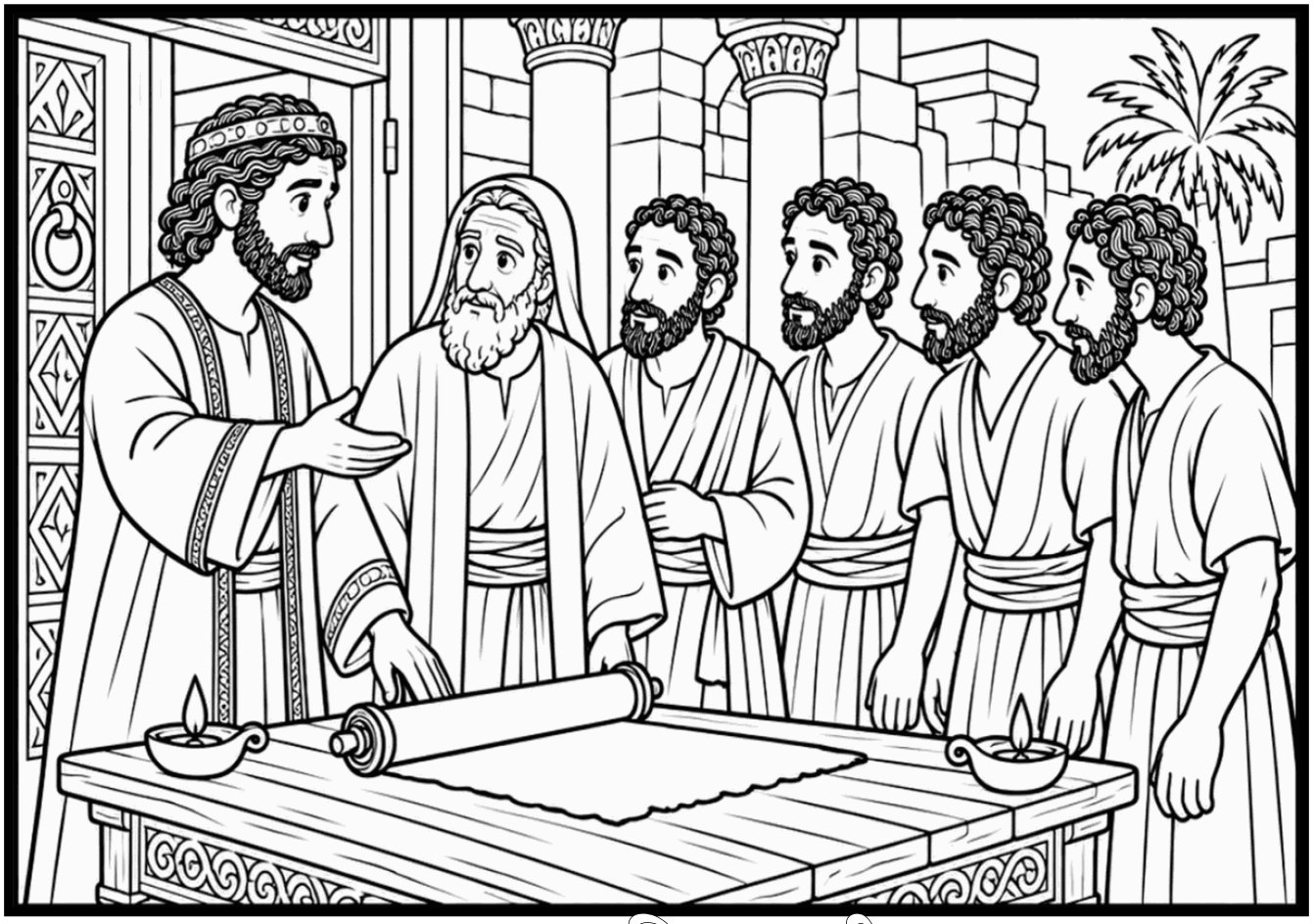
पुस्तक राजा के पास पहुँची



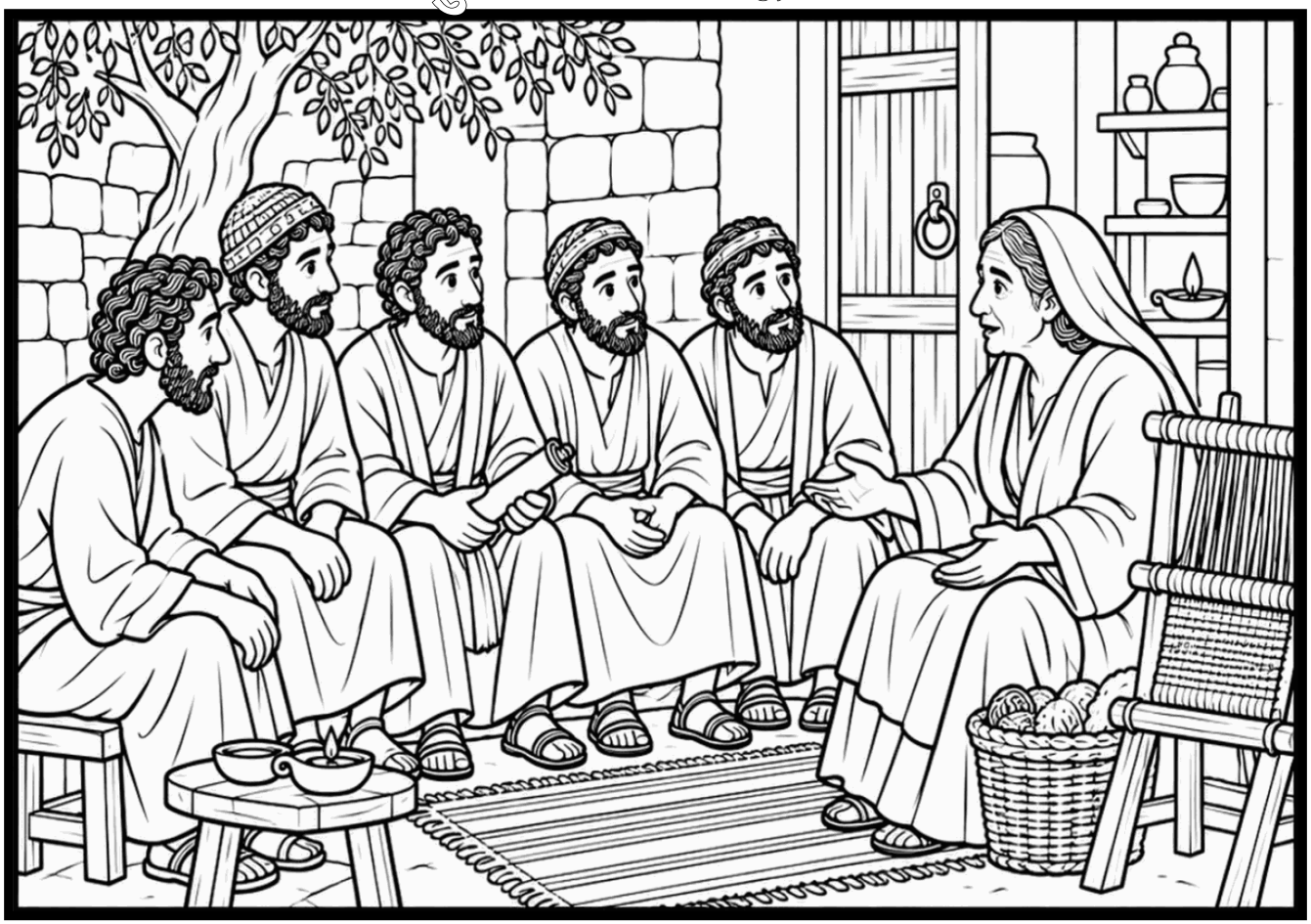
योशिय्याह ने दुख से सुना



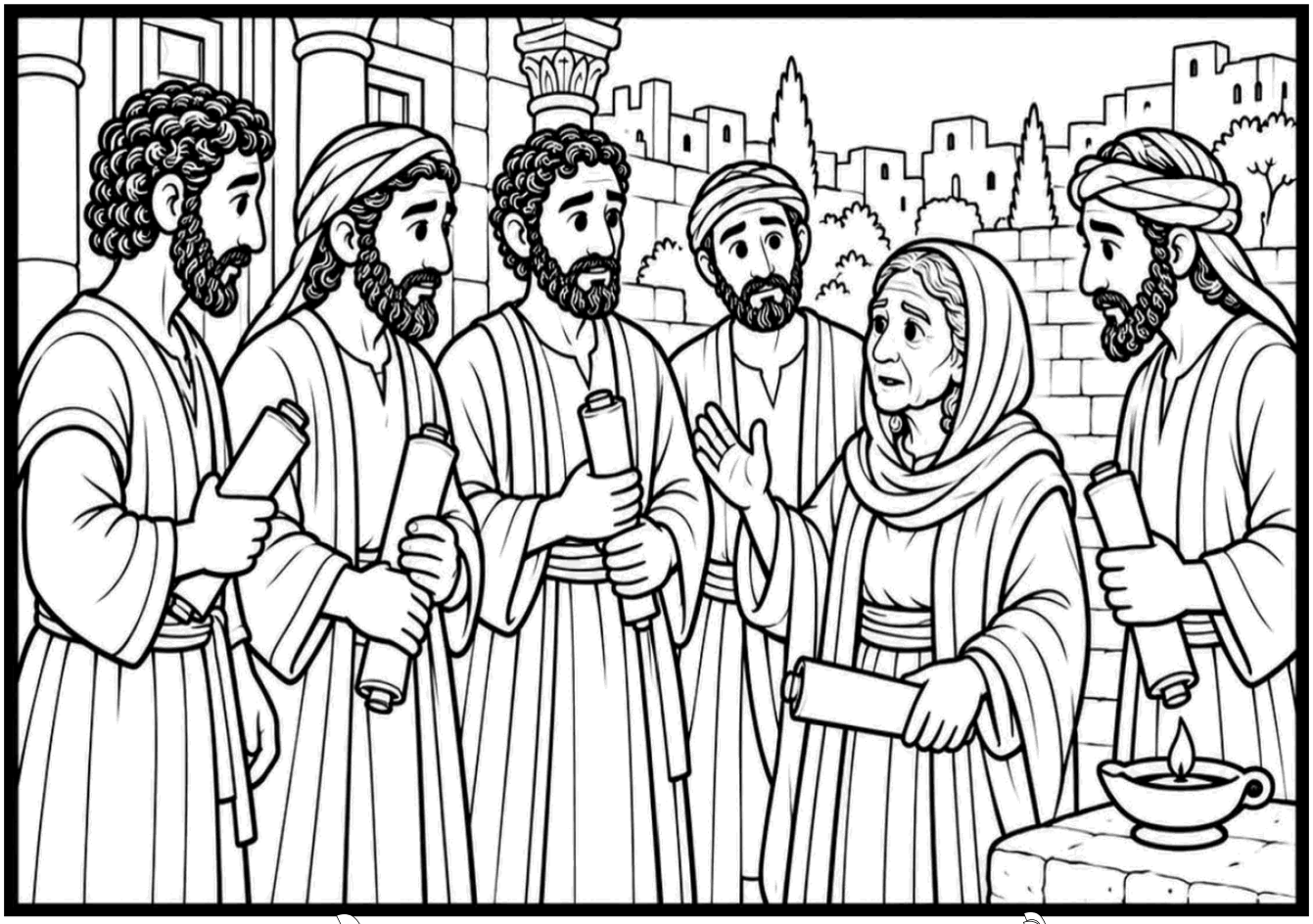
वह जानना चाहता था कि क्या करना चाहिए



हुल्दा भविष्यद्वक्त्री



परमेश्वर ने उसका हृदय देखा



परमेश्वर का वचन एक खजाना है

